नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 056
दि. 25.06.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'यूपी अब 3र मॉडल का प्रतीक', बेंगलुरु में बोले सीएम योगी- 9 साल में बीमारू राज्य की छवि बदली

सीएम योगी ने कहा कि 9 साल पहले तक यूपी का परसेप्शन बेहद खराब था, इसे बीमारू राज्य माना जाता था, कोई विकास की चर्चा नहीं. यहां गवर्नेंस की कमी साफ झलकती थी.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैंगलोर में आयोजित ग्लोबल ग्रोथ डायलॉग में यूपी को पिछले 9 साल में सबसे तेज विकसित राज्य बताया. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के 3S मॉडल का प्रतीक बन गया है. जहां सुरक्षा, स्थिरता और स्पीड तीनों उपलब्ध हैं. सीएम योगी ने कहा कि इंडस्ट्री के लिए जो तीन सबसे महत्वपूर्ण आयाम हैं, वे आज यूपी में दिख रहे हैं. उत्तर प्रदेश ने खुद को मजबूत रूल ऑफ लॉ वाले राज्य के रूप में स्थापित कर लिया है.

सीएम योगी ने कहा कि 9 साल पहले तक यूपी का परसेप्शन बेहद खराब था, इसे बीमारू राज्य माना जाता था, कोई विकास की चर्चा नहीं. यहां गवर्नेंस की कमी साफ झलकती थी. अब यहां निवेशक सुरक्षित माहौल में आगे बढ़ सकते हैं.

9 साल में बड़ा बदलाव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि दुनिया की सबसे तेज उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अपनी पहचान बना चुका है. बीते 9 वर्षों में तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है. उन्होंने उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मुझे प्रसन्नता हो रही है कि यूपी में आपको वो सब कुछ मिलेगा जो भारत की अपेक्षा में है. जो यूपी में होगा वह अन्य जगह नहीं मिलेगा और जो अन्य जगह उपलब्ध है, वह यूपी में आपको जरुर मिल जाएगा.

यूपी निवेश अनुकूल माहौल

उद्यमियों के साथ बैठक में निवेश-अनुकूल नीतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रिफॉर्म्स, पारदर्शी एवं उत्तरदायी शासन व्यवस्था, कुशल मानव संसाधन तथा तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के बल पर उत्तर प्रदेश की उल्लेखनीय निवेश यात्रा को प्रस्तुत किया गया. निवेशकों ने नए उत्तर प्रदेश की कार्यसंस्कृति एवं निवेशक-केंद्रित दृष्टिकोण की सराहना करते हुए प्रदेश में अपने निवेश विस्तार को लेकर सकारात्मक विश्वास व्यक्त किया.

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के साथ ही प्रदेश के कई अधिकारी भी मौजूद रहे. इस दौरान निवेशकों ने भी यूपी सरकार के साथ बेहतर माहौल में आगे बढ़ने की सहमति दी.

सीएम योगी 27 जून को ग्रेटर नोएडा में करेंगे ईएमसी की पहली यूनिट का शिलान्यास, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

(जीएनएस)।

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण के इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) में पहली औद्योगिक इकाई का निर्माण शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 जून को यीडा सेक्टर दस में एसेंट के. सर्किट प्रा. लि. की इकाई का शिलान्यास करेंगे।

औद्योगिक इकाई में फ्लक्सीबल पीसीबी, हाई डेंस्टी इंटरकनेक्टेड पीसीबी इंटरकनेक्टेड सेमीकंडक्टर सब्सट्रेट्स का उत्पादन होगा। इसके अलावा सेक्टर आठ में अंबर इंटरप्राइजेज इंडिया लि. की औद्योगिक इकाई का भी शिलान्यास होगा।

417 करोड़ होगी लागत

यमुना प्राधिकरण के सेक्टर दस में केंद्र सरकार की ईएमसी योजना के तहत हैवेल्स इंडिया लि. की अगुवाई में ईएमसी को पिछले साल जून में स्वीकृति दी गई थी। 206 एकड़ में प्रस्तावित ईएमसी की लागत 417 करोड़ होगी।

इसमें केंद्र सरकार 144 करोड़ रुपये खर्च करेगी। शेष राशि यीडा वहन करेगा। ईएमसी में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा। प्राधिकरण ने ईएमसी में शामिल कंपनियों को जमीन का आवंटन कर दिया है।

ईएमसी में एसेंट के. सर्किट को 16 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। के. सर्किट दक्षित कोरिया की कंपनी है जो एसेंट के साथ मिलकर इस इकाई को स्थापित कर रही है। कंपनी इस इकाई में सेमीकंडक्टर सब्स्ट्रेट्स की उत्पादन करेगी। इसके जरिये 3250 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

यीड ने 100 एकड़ जमीन आवंटित की

इसके अलावा सेक्टर आठ में अंबर इंटरप्राइजेज इंडिया लि. की इकाई का भी शिलान्यास होगा। कंपनी को यीडा ने 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। इस इकाई में 3532 करोड़ का निवेश होगा। इकाई में कापर क्लेड लेमिनेट्स, पीसीबी एसेंबली, कंप्यूटर इलेक्ट्रानिक्स एंड एप्लाइंसेस आदि का उत्पादन होगा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो चुकी हैं। यीडा एसीईओ शैलेंद्र यी का कहना है कि ईएमसी महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसके जरिये यीडा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। 27 जून को ईएमसी में पहली इकाई का मुख्यमंत्री शिलान्यास करेंगे।

'राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए गठित एसआईटी फर्जी', केजरीवाल ने पूछा- सीबीआईऔर ईडी को क्यों नहीं सौंपा गया

(जीएनएस)।

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के कथित मामले को लेकर देश की सियासत गरमा गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम (रक्ळ) पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस एसआईटी को पूरी तरह निष्प्रभावी बताते हुए इसे केवल एक "लीपापोती" की कोशिश करार दिया है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर जांच प्रक्रिया की कानूनी वैधता को कटघरे में खड़ा किया। उनका दावा है कि इस मामले में बिना किसी एफआईआर के ही जांच टीम का गठन कर दिया गया है, जिसके कारण इस पैनल के पास जांच को आगे बढ़ाने के लिए कोई वास्तविक कानूनी शक्ति नहीं है।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि यह कवायद केवल बड़े चेहरों को बचाने और मामले को रफा-दफा करने के लिए की जा रही है। उन्होंने हैरानगी जताई कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे की जांच अभी तक सीबीआई या ईडी (एऊ) जैसी केंद्रीय एजेंसियों को क्यों नहीं सौंपी गई है।

अपने वीडियो संदेश में 'आप' प्रमुख ने जांच प्रक्रिया की विधिक खामियों को रेखांकित किया। अरविंद केजरीवाल ने पूछा कि आखिर किस कानून या धारा के तहत बिना एफआईआर दर्ज किए इस एसआईटी का गठन किया गया? उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस नियमों के अनुसार, जब तक प्राथमिक रिपोर्ट यानी एफआईआर दर्ज नहीं होती, तब तक ऐसी किसी विशेष जांच समिति का कोई कानूनी आधार नहीं होता।

केजरीवाल का कहना है कि वर्तमान में गठित एसआईटी के पास कोई वास्तविक शक्तियां नहीं हैं। यह टीम किसी भी संदिग्ध को समन भेजकर नहीं बुला सकती, न ही किसी ठिकाने पर छापेमारी कर सकती है। साथ ही, इस एसआईटी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने का भी कोई अधिकार नहीं है, जिससे यह पूरी जांच केवल एक दिखावा बनकर रह गई है।

उन्होंने जांच के मौजूदा तरीकों पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रशासन केवल निचले स्तर के छोटे कर्मचारियों को पकड़कर पूछताछ कर रहा है। केजरीवाल ने तर्क दिया कि मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी बिना किसी शीर्ष अधिकारी या बड़े रसूखदार व्यक्ति के संरक्षण के संभव नहीं है, लेकिन कार्रवाई केवल छोटों पर हो रही है ताकि बड़े दोषियों को बचाया जा सके।

2021 के अयोध्या भूमि विवाद से की तुलना

इस नए विवाद को संदर्भ देने के लिए केजरीवाल ने साल 2021 के एक पुराने घटनाक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने याद दिलाया कि जब अयोध्या में नेताओं और अफसरों द्वारा कौड़ियों के भाव जमीनें खरीदने के आरोप लगे थे, तब भी भारी जन-आक्रोश के बीच एक जांच टीम बनाई गई थी।

उन्होंने दावा किया कि 2021 की उस जांच की भी कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी और आज तक किसी को नहीं पता कि उस जांच का क्या नतीजा निकला। केजरीवाल ने आशंका जताई कि चढ़ावा चोरी मामले में बनी यह नई एसआईटी भी थोड़े ही दिनों में ठंडे बस्ते में चली जाएगी और लोग इस पूरे मामले को भूल जाएंगे.

सहमति, सहयोग पीएम मोदी से मिले जिनपिंग के दूत, बाहर आते ही बुनने लगे चीन-भारत दोस्ती का रोडमैप

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: चीन अब भारत के साथ पुराने गिले-शिकवे भुलाकर नई शुरूआत करना चाहता है. जिसकी हिंट खुद शी जिनपिंग के खास और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने दी है. वो इस वक्त दिल्ली दौरे पर हैं, जहां उन्होंने पहले भारतीय ठरअ अजीत डोभाल के साथ ब्रिक्स सम्मेलन में बैठक की. इसके बाद आज वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले हैं. इस मुलाकात के बाद उन्होंने चीन-भारत के रिश्तों को दोबारा खड़ा करने की वकालत की है. वांग यी का मानना है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के नाते, दोनों देशों को अब आपसी अविश्वास और गलतफहमियों को दूर करना होगा.

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कहा कि चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए तैयार है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों को आपसी भरोसा बढ़ाने, गलतफहमियां दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को समझदारी से संभालने, पारस्परिक लाभ वाले सहयोग को गहरा करने और द्विपक्षीय संबंधों की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए साथ काम करना चाहिए. साथ ही, दोनों देश अपने-अपने आधुनिकीकरण के लक्ष्यों को आगे बढ़ा सकते हैं. बैठक के दौरान वांग यी ने कहा कि चीन और भारत को ग्लोबल साउथ के देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में उदाहरण पेश करना चाहिए.

भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और केंद्रीय विदेश मामलों आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी ने नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. वांग ने कहा कि चीन और भारत, दुनिया के दो सबसे बड़े विकासशील देश और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण सदस्य होने के नाते, ग्लोबल साउथ देशों के बीच एकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं. चीन, ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में भारत की जिम्मेदारियों का समर्थन करता रहेगा और ब्रिक्स सहयोग को मजबूत बनाने के लिए भारत के साथ काम करेगा'.

उन्होंने आगे कहा, 'चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने, आपसी विश्वास बढ़ाने, संदेह दूर करने, संवेदनशील मुद्दों को सही तरीके से संभालने, आपसी लाभ वाले सहयोग को और मजबूत करने तथा भारत-चीन संबंधों की सकारात्मक दिशा को बनाए रखने के लिए तैयार है. यह दोनों देशों की जनता के मूल हितों के अनुरूप है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षाओं के भी अनुकूल है'. चीनी विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की. बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों में हाल की प्रगति की समीक्षा की और माना कि संबंधों के सामान्य होने की दिशा में धीरे-धीरे प्रगति हो रही है.

इस बैठक में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, राजदूत शू फीहोंग और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे. चीन के राजदूत की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी बयान के अनुसार, वांग यी ने कहा कि भारत और चीन, दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं, इसलिए दोनों देशों को अपने संबंधों को केवल द्विपक्षीय नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और वैश्विक दृष्टिकोण से भी देखना चाहिए.

उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को व्यवहार में लागू करना चाहिए, सहयोग के जरिए अपने विकास और प्रगति को आगे बढ़ाना चाहिए और ग्लोबल साउथ के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को तेज करना चाहिए. अजीत डोभाल के साथ बैठक में वांग यी ने ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में भारत की भूमिका का समर्थन हराया और कहा कि चीन, ब्रिक्स व्यवस्था के विकास और विस्तार के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है.

शंभूनाथ बेहरा जिन्हें भाजपा एमएलए ने ठहराया मौतों का दोषी?

कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार (24 जून) दोपहर एक भयानक हादसा ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया। निमार्णाधीन चाय गोदाम का शेड अचानक ढह गया। हादसे के समय वहां 50-60 मजदूर काम कर रहे थे। भारी लोहे के बीम, कंक्रीट और टिन की छत मजदूरों पर गिर पड़ी। हादसे में तीन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 21 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। बचाव कार्य में NDRF, दमकल, पुलिस, सेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें जुटी हुई हैं। ऊर्ध्वाधर ड्रिलिंग मशीन हाइड्रोलिक क्रेन, गैस कटर और ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी , स्वास्थ्य मंत्री और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं।

कोलकाता : तारातला में निमार्णाधीन गोदाम कैसे ढहा? 3 की मौत-60 मलबे में दबे

(जीएनएस)।

कोलकाता के औद्योगिक इलाके तारातला में बुधवार (24 जून) दोपहर एक भयानक हादसा हो गया। एक निमार्णाधीन गोदाम का शेड ताश के पत्तों की तरह ढह गया। हादसे के समय वहां करीब 50 से 60 मजदूर काम कर रहे थे, जो पलक झपकते ही भारी मलबे के नीचे दब गए। बताया जा रहा है कि हादसे में तीन की मौत हो चुकी है।

लेकिन, भाजपा विधायक राकेश सिंह घटनास्थल पर पहुंचते ही 5-6 लोगों की मौत की बात कही थी। साथ ही कहा था कि मैं यह नहीं कहूंगा कि जो हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, यह लापरवाही है। शंभू ने वहां गंदगी फैलाई थी। उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए, एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों की चीख-पुकार के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू हुआ। पुलिस, दमकल, आपदा प्रबंधन टीम और अब भारतीय सेना भी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हो गई है। अब तक 6-7 मजदूरों को निकाला जा चुका है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबे के नीचे से अभी भी दबे मजदूरों की दर्दनाक चीखें सुनाई दे रही हैं। यह हादसा कोलकाता में निर्माण कार्यों में लगातार हो रही लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का दर्दनाक उदाहरण बन गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चश्मदीदों ने बताया कि दोपहर के समय गोदाम का निमार्णाधीन शेड अचानक पूरा ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। भारी लोहे के बीम, छत की पत्तियां और कंक्रीट के ढेर ने मजदूरों को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि 23 जून को कोलकाता में हुई भारी बारिश से मिट्टी और संरचना कमजोर हुई। निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री घटिया गुणवत्ता की थीं। बिना पर्याप्त सपोर्ट और सेफ्टी उपायों के काम चल रहा था। इसी वजह से हादसा हो गया। हालांकि, अभी तक कोई स्पष्ट आधिकारिक वजह सामने नहीं आई है। मलबा हटाने के लिए क्रेन, गैस कटर और हेवी मशीनरी लगाई गई है।

बीते सोमवार जब दिल्ली से उड़ी फ्लाइट और सीधे पहुंच गई पाकिस्तान, हवा में अटकी रही यात्रियों की सांसें

(जीएनएस)।

दिल्ली से अमृतसर के लिए रवाना हुई एअर इंडिया की फ्लाइट AI-479 सोमवार रात एक ऐसी घटना का हिस्सा बन गई जिसने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद विमान अपने तय रूट से भटक गया और कुछ दूरी तक पाकिस्तान के एयरस्पेस में प्रवेश कर गया। खास बात यह है कि अप्रैल 2025 से पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर रखा है।

ऐसे में इस घटना को सिर्फ एक नेविगेशन एरर नहीं बल्कि सुरक्षा के नजरिए से भी गंभीर माना जा रहा है। हालांकि विमान सुरक्षित वापस भारतीय सीमा में लौट आया और बाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।

सोमवार रात 9:18 बजे एअर इंडिया की फ्लाइट अक-479 दिल्ली से अमृतसर के लिए रवाना हुई थी। उड़ान सामान्य तरीके से चल रही थी,

लेकिन रास्ते में तकनीकी दिक्कत आने के बाद विमान का नेविगेशन सिस्टम प्रभावित हो गया। इसी दौरान विमान अपने निर्धारित रूट से हटकर पाकिस्तान के लाहौर फ्लाइट इंफॉर्मेशन रीजन में प्रवेश कर गया। बताया जा रहा है कि विमान ज्यादा अंदर नहीं गया, लेकिन एयरस्पेस उल्लंघन होने से मामला संवेदनशील बन गया।

सूत्रों के मुताबिक विमान के पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंचते ही वहां की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी ने तुरंत चेतावनी जारी की। इसी अलर्ट के बाद पायलट को एहसास हुआ कि विमान निर्धारित रूट से भटक चुका है। इसके बाद तुरंत यू-टर्न लिया गया और विमान को वापस भारतीय एयरस्पेस की ओर मोड़ दिया गया। मौजूदा भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच यह घटना और भी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई है।

पाकिस्तान ने अप्रैल 2025 से भारतीय रजिस्ट्रेशन वाले सभी कमर्शियल और मिलिट्री विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर रखा है। यह प्रतिबंध हर महीने ठडळअट के जरिए बढ़ाया जाता रहा है। घटना के समय भी यह बैन प्रभावी था।

नेशनल रिकॉर्ड होल्डर ज्योति याराजी ने की वापसी, एशियन गेम्स का टिकट कटाया

भारत की टॉप महिला एथलीट और 100 मीटर बाधा दौड़ की नेशनल रिकॉर्ड होल्डर ज्योति याराजी ने गंभीर चोट से उबरने के बाद ट्रैक पर शानदार वापसी की है। एक साल के लंबे इंजरी ब्रेक के बाद वापसी करते हुए ज्योति ने बुधवार को नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप के पहले ही दिन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा निर्धारित एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। उन्होंने अपनी पहली ही हीट्स रेस में बेहतरीन टाइमिंग निकालकर आगामी एशियाई खेलों के लिए अपना प्रशासनिक टिकट पक्का कर लिया।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

अयोध्याः 'गायब' बताए गए चांदी के काकभुशुंडी कारसेवक पुरम में सुरक्षित! रोज होती है पूजा, 200KG चांदी की भी डिटेल

अयोध्या में राम मंदिर को दान में मिली चांदी को लेकर फैली अफवाहों के बीच नया दावा सामने आया है। दावा किया गया है कि गायब बताए जा रहे चांदी के काकभुशुंडी कारसेवक पुरम में चंपत राय के कक्ष में सुरक्षित हैं।

अयोध्याः रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर को दान में मिली चांदी को लेकर पिछले कुछ समय से विभिन्न प्रकार की चचाएं और आरोप सामने आ रहे थे। खास तौर पर चांदी के काकभुशुंडी के गायब होने की बात कही जा रही थी। हालांकि अब इस मामले में नया दावा सामने आया है, जिसके अनुसार चांदी के काकभुशुंडी कहीं गायब नहीं हुए हैं, बल्कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं।

कारसेवक पुरम में सुरक्षित रखे गए हैं काकभुसुंडी

दावे के मुताबिक चांदी के काकभुशुंडी कारसेवक पुरम स्थित चंपत राय के कक्ष में सुरक्षित रखे गए हैं। बताया गया है कि चंपत राय के पूजा स्थल पर प्रतिदिन उनकी विधिवत पूजा-अर्चना भी की जाती है। इसके अलावा चांदी की एक बड़ी माला भी कारसेवक पुरम में संरक्षित रखी गई है।

200 किलो चांदी की ईंटों का भी किया गया संरक्षण

जानकारी के अनुसार सिंधी समाज द्वारा दान में दी गई लगभग 200 किलो चांदी की ईंटों को भी सुरक्षित रखा गया है। चांदी के संरक्षण और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें विशेष प्रक्रिया के तहत परिवर्तित किया गया।

छोटे-छोटे ब्रिक में बदली गई चांदी

दावा किया गया है कि बड़ी चांदी की ईंटों को गलवाकर आधा-आधा किलो वजन के छोटे सिल्वर ब्रिक तैयार कराए गए। इससे उनके संरक्षण और सुरक्षित भंडारण में आसानी हो सके। इस प्रक्रिया में तकनीकी सहयोग के लिए 'मिंट' नामक संस्था की सहायता ली गई।

SBI लॉकर में रखे गए सिल्वर ब्रिक

तैयार किए गए सभी सिल्वर ब्रिक को भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के लॉकर में सुरक्षित रखा गया है। दावा किया गया है कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता और सुरक्षा को ध्यान में रखकर अपनाई गई।

अफवाहों पर लगा विराम

चांदी के दान और उसके संरक्षण को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों में कई तरह की चचाएं चल रही थीं। अब सामने आई जानकारी के बाद इन अफवाहों पर विराम लगने की बात कही जा रही है।

अरविंद केजरीवाल के अयोध्या दौरे पर क्यों भड़का संत समाज? प्रशासन तक पहुंचा मामला

आम आदमी पारी के संयोजक 26 जून को अयोध्या पहुंच रहे हैं. राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के विवाद के बीच उनके अयोध्या दौरे पर विवाद खड़ा हो गया है. अयोध्या के संत समाज ने अरविंद केजरीवाल के अयोध्या दौरे का विरोध शुरू कर दिया है. विरोध करने वाले संगठनों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर उनके दौरे पर आपत्ति जताई है.

(जीएनएस)।

अयोध्या. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 26 जून को अयोध्या दौरे को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. एक ओर जहां केजरीवाल रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए अयोध्या पहुंचने वाले हैं, वहीं दूसरी ओर संत समाज और पुरोहित समाज का एक वर्ग उनके दौरे का विरोध कर रहा है. विरोध करने वाले संगठनों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर उनके दौरे पर आपत्ति जताई है.

अयोध्या में पांडा पुरोहित समाज और सनातन रक्षा दल समेत कुछ संगठनों ने अरविंद केजरीवाल के प्रस्तावित दौरे का विरोध किया है. इन संगठनों का आरोप है कि केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेताओं ने पहले भगवान राम और राम मंदिर को लेकर विवादित बयान दिए थे, इसलिए उनका अयोध्या आगमन राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है. पांडा पुरोहित समाज के अध्यक्ष राजेश महाराज ने कहा कि अगर रामलला हैं ही नहीं, जैसा पहले कहा गया था, तो फिर अयोध्या आने की क्या आवश्यकता है? अगर राम हृदय में हैं तो वहीं से दर्शन कर लें. अभी राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले की जांच चल रही है, ऐसे समय में किसी भी तरह की राजनीतिक बयानबाजी माहौल को प्रभावित कर सकती है.

अयोध्या आस्था का केंद्र

पांडा पुरोहित समाज के अध्यक्ष राजेश महाराज ने कहा कि अयोध्या सनातन आस्था का केंद्र है और यहां किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को अपना काम करने देना चाहिए और किसी भी नेता को इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए. सनातन रक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद माधव त्रिपाठी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक महत्वाकांक्षा के कारण राम मंदिर आ रहे हैं. उनके नेताओं द्वारा लगातार आरोप लगाए जाते हैं, लेकिन कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया जाता. हमने प्रशासन को ज्ञापन देकर मांग की है कि उनके दौरे पर रोक लगाई जाए, क्योंकि इससे धार्मिक उन्माद और अशांति फैलने की आशंका है.

सनातन रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुंद माधव त्रिपाठी ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि केजरीवाल के दौरे से कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केजरीवाल अयोध्या आते हैं तो उनका विरोध किया जाएगा.

अयोध्या राम मंदिरः अब सीबीआई की भर्ती में गड़बड़ियां सामने आई

(जीएनएस)।

अयोध्या के राम मंदिर में दान के पैसे के गलत इस्तेमाल की खबरों के बाद, अब सरकार ने एक जांच शुरू की है। रक्ळ की पड़ताल में पैसों के लेन-देन और स्टाफ की भर्ती में कई बड़ी कमियां सामने आई हैं। जानकारी मिली है कि भारतीय स्टेट बैंक (रइक) ने कर्मचारियों की भर्ती एक प्राइवेट एजेंसी के जरिए की थी। ये नियुक्तियां राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ लोगों की सिफारिश पर हुई थीं।

राम मंदिरः सुरक्षा और हिसाब-किताब में लापरवाही

मंदिर के कर्मचारियों ने वर्दी पहनने के नियमों और सुरक्षा जांचों को नजरअंदाज किया। इसके अलावा, मंदिर के चारों ओर CCTV निगरानी में भी ढिलाई बरती गई है। अब जांच टीम सोने, चांदी और दूसरे चढ़ावे के कागजात और उनके हिसाब-किताब में मिली गड़बडियों की गहराई से पड़ताल कर रही है। साथ ही, पिछले साल हुए महाकुंभ के दौरान मंदिर में उमड़ी भीड़ को कैसे संभाला गया, इसकी भी जांच की जा रही है।

इस जांच की हर दिन की जानकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद इसकी एक आखिरी रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

मृत आदमी का बयान लिया-पूर्व तहसीलदार समेत 8 तलबःअयोध्या में मौत के 2 साल बाद तहसील में दर्ज हुआ, 23 जुलाई को सुनवाई

(जीएनएस)।

अयोध्या में बीकापुर तहसील में वरासत दर्ज कराने के नाम पर बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। जिस व्यक्ति की मौत वर्ष 2017 में हो चुकी थी, उसका बयान दो साल बाद 2019 में तहसील के अभिलेखों में दर्ज दिखाकर वरासत का आदेश पारित कर दिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आने पर अदालत ने इसे गंभीर मानते हुए तत्कालीन तहसीलदार, लेखपाल समेत आठ लोगों को तलब किया है।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधांशु शेखर उपाध्याय ने प्रथम दृष्टया जालसाजी, कूटरचना और धोखाधड़ी के आरोपों को गंभीर मानते हुए आरोपियों को 23 जुलाई को न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

2017 में मौत, 2019 में दर्ज हुआ बयान

शिकायतकर्ता राजकुमार की ओर से अधिवक्ताओं जय प्रकाश, प्रमोद यादव, गिरीश कुमार और चंद्रशेखर सिंह ने न्यायालय को बताया कि वरासत वाद में रामखेलावन का बयान 16 दिसंबर 2019 को दर्ज दिखाया गया है।

जबकि उपलब्ध मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार रामखेलावन की मृत्यु 21 जुलाई 2017 को ही हो चुकी थी। आरोप है कि मृत व्यक्ति को जीवित दिखाकर सुनियोजित तरीके से वरासत की पूरी प्रक्रिया तैयार की गई और सरकारी अभिलेखों में फर्जी दस्तावेज शामिल किए गए।

लेखपाल की रिपोर्ट पर उठे सवाल

मामले में तत्कालीन हल्का लेखपाल भीम सिंह की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोप है कि उन्होंने अपनी रिपोर्ट और वंशावली में भी रामखेलावन को जीवित दशार्या। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर तत्कालीन तहसीलदार दिविजय सिंह ने 20 दिसंबर 2019 को वरासत आदेश पारित कर दिया।

अपील में खुली फजीर्वाड़े की परतें

बाद में मामला अपील के जरिए उप जिलाधिकारी बीकापुर के न्यायालय पहुंचा। जांच के दौरान राजस्व अभिलेखों और दस्तावेजों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद 2 मई 2022 को विवादित वरासत आदेश निरस्त कर दिया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि पूरी प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी करते हुए दस्तावेज तैयार किए गए थे।

पूर्व तहसीलदार समेत 8 लोगों को समन

न्यायालय ने मामले में अजय, मथाराम, खदेरू, लालता प्रसाद, मायाराम वर्मा, तत्कालीन लेखपाल भीम सिंह, तत्कालीन पेशकार और तत्कालीन तहसीलदार दिविजय सिंह को तलब किया है।

इन सभी के खिलाफ जालसाजी, कूटरचना, धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। अदालत के इस आदेश के बाद बीकापुर तहसील में हड़कंप मच गया है और मामला राजस्व विभाग में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

राजस्व व्यवस्था पर उठे सवाल

मामले ने तहसील स्तर पर दस्तावेजों के सत्यापन और राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि जिस व्यक्ति की मौत दो वर्ष पहले हो चुकी थी, उसका बयान सरकारी रिकॉर्ड में कैसे दर्ज हो गया और उसके आधार पर आदेश भी पारित कर दिया गया।

मध्य प्रदेश में अयोध्या मंदिर चढ़ावा का इफेक्ट, खजराना में 80 कैमरे से होगी दान की सिक्योरिटी

अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावा के केस को लेकर मंदिरों की बढ़ी सुरक्षा, इंदौर खजराना मंदिर के दान की कड़ी सिक्योरिटी में होगी गिनती.

(जीएनएस)।

इंदौरः इस समय देश में अयोध्या राम मंदिर के कथित चढ़ावा गबन का मुद्दा जोर-शोर से चल रहा है. जिसके बाद देश के अन्य मंदिरों की दानराशि की सुरक्षा बढ़ाई जा रही है. वहीं मध्य प्रदेश के इंदौर में खजराना गणेश मंदिर में भी सिक्योरिटी बढ़ाई गई है. खबर है कि इंदौर में अब दान पेटियों को भी सीसीटीवी की निगरानी में लाया जा रहा है.

खजराना मंदिर में निकलता है करोड़ों का दान

इंदौर के प्रसिद्ध गणेश मंदिर में हर 3 महीने में होने वाली दान राशि की गणना में डेढ़ करोड़ से लेकर 5 करोड़ रुपए तक का दान प्राप्त होता है. यह राशि मंदिर की प्रबंधन समिति की निगरानी में गणना के बाद बैंक में जमा की जाती है. यहां साल भर में दान राशि का आंकड़ा कई करोड़ रुपए होता है. इसलिए पहले से ही दान राशि की गिनती एक विशेष कक्ष में सीसीटीवी कैमरा के निगरानी में की जाती है. जब भी दान पेटियां खोली जाती है, तब एक विशेष टीम का गठन किया जाता है, जिसमें नगर निगम के कर्मचारी और बैंक अधिकारी शामिल होते हैं.

3-4 साल में होती है दान राशि की गणना

उनकी उपस्थिति में दान की गिनती की जाती है. करीब 40 से ज्यादा दान पेटियों से विदेशी मुद्रा सोने चांदी और आभूषण भी निकलते हैं. जिसका बाकायदा रिकॉर्ड रखा जाता है, यह गणना साल में तीन से चार बार की जाती है. इस दान राशि से मंदिर के विकास कार्य और संधारण किया जाता है. इसके अलावा खजराना गणेश मंदिर में ऐसे भी दानदाता हैं, जो करोड़ों की रकम से मंदिर में अलग-अलग प्रकल्प विकसित कर चुके हैं.

प्रबंध समिति के प्रमुख कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया "जो दान राशि जमा होती है. उसका बाकायदा ऑडिट किया जाता है. जो इंदौर जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट के अधीन होता है. मंदिर प्रशासन और पुजारी के मताबिक इंदौर में धन राशि से संबंधित कभी कोई शिकायत नहीं आई, क्योंकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है. वही धनराशि की गणना कलेक्टर के निर्देश पर अलग-अलग विभागों के जिम्मेदार अधिकारी और मंदिर प्रशासन से जुड़े लोग करते हैं. जिसमें पुजारियों की भूमिका या भागीदारी नहीं रहती है. इसके अलावा लगभग 80 कैमरों के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी की जाती है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुनिश्चित रहती है.

सीएम योगी का हेलीकॉप्टर एएमयू में उतरने पर छात्र ने उठाए सवाल... कहा कुछ तो शर्म करो; सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

अलीगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर के अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के क्रिकेट मैदान में उतरने पर यूनिवर्सिटी के विदेशी भाषा विभाग के छात्र अजीमुर रहमान ने सवाल उठाए हैं। कहा है, मुख्यमंत्री वैसे तो एएमयू को लेकर बयानबाजी करते हैं। अलीगढ़ आते हैं तो यहां की जमीन का इस्तेमाल करते हैं। 'कुछ तो शर्म करो।'

सोशल मीडिया पर बयान का वीडियो जारी कर छात्र ने कहा है कि यहां के सांसद सतीश गौतम एएमयू के खिलाफ जहर उगलते हैं। आतंकवादी, देशद्रोही कहते हैं। योगी आदित्यनाथ जब भी अलीगढ़ आते हैं, एएमयू में उतरते हैं। 'योगी आदित्यनाथ जी आपकी शर्म कहां चली जाती है।

जिस यूनिवर्सिटी के खिलाफ आप बोलने से बचते नहीं हैं, हमेशा उसी यूनिवर्सिटी की जमीन पर उतरते हैं। कोई तो शर्म होनी चाहिए।' सवाल किया है कि आप इतने असुरक्षित क्यों हो जाते हैं, जब यहां का प्रशासन मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतारता है। इसकी वजह बताएंगे? मैं जिस शहर में रहता हूं, वहां रात भर भजन चलता है। कांवड़ यात्रा पर आप इतना गाना-बजाना करते हो, डीजे बजता है।

यह वीडियो भी देखें

किसी मुस्लिम को तो इससे परेशानी नहीं होती, उन्हें तो असुरक्षा फील नहीं होती। आपको असुरक्षा अजानों से फील क्यों होने लगती है। ये तो हमारे बेसिक फंडामेंटल राइट्स हैं। छात्र का यह बयान इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

महिला प्रोफेसर से कर चुका है बदसलूकी

एएमयू प्राक्टर प्रो. नवेद खां के अनुसार छात्र वीएम हाल में रहता है। वह एमए चाइनीज का छात्र है। बुधवार देर रात ही वीडियो की जानकारी मिली है। इसकी जांच की जा रही है। छात्र ने कुछ दिन पहले ही एक महिला प्रोफेसर से बदसलूकी थी। आरोपित एक बिना नंबर की एक्टिवा के साथ पकड़ा गया था। सुरक्षागार्डों से भी बदसलूकी कर चुका है। इस मामले की पहले से ही जांच चल रही है, कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश में अयोध्या मंदिर चढ़ावा का इफेक्ट, खजराना में 80 कैमरे से होगी दान की सिक्योरिटी

अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावा के केस को लेकर मंदिरों की बढ़ी सुरक्षा, इंदौर खजराना मंदिर के दान की कड़ी सिक्योरिटी में होगी गिनती.

(जीएनएस)।

इंदौरः इस समय देश में अयोध्या राम मंदिर के कथित चढ़ावा गबन का मुद्दा जोर-शोर से चल रहा है. जिसके बाद देश के अन्य मंदिरों की दानराशि की सुरक्षा बढ़ाई जा रही है. वहीं मध्य प्रदेश के इंदौर में खजराना गणेश मंदिर में भी सिक्योरिटी बढ़ाई गई है. खबर है कि इंदौर में अब दान पेटियों को भी सीसीटीवी की निगरानी में लाया जा रहा है.

खजराना मंदिर में निकलता है करोड़ों का दान

इंदौर के प्रसिद्ध गणेश मंदिर में हर 3 महीने में होने वाली दान राशि की गणना में डेढ़ करोड़ से लेकर 5 करोड़ रुपए तक का दान प्राप्त होता है. यह राशि मंदिर की प्रबंधन समिति की निगरानी में गणना के बाद बैंक में जमा की जाती है. यहां साल भर में दान राशि का आंकड़ा कई करोड़ रुपए होता है. इसलिए पहले से ही दान राशि

की गिनती एक विशेष कक्ष में सीसीटीवी कैमरा के निगरानी में की जाती है. जब भी दान पेटियां खोली जाती है, तब एक विशेष टीम का गठन किया जाता है, जिसमें नगर निगम के कर्मचारी और बैंक अधिकारी शामिल होते हैं.

उनकी उपस्थिति में दान की गिनती की जाती है. करीब 40 से ज्यादा दान पेटियों से विदेशी मुद्रा सोने चांदी और आभूषण भी निकलते हैं. जिसका बाकायदा रिकॉर्ड रखा जाता है, यह गणना साल में तीन से चार बार की जाती है. इस दान राशि से मंदिर के विकास कार्य और संधारण किया जाता है. इसके अलावा खजराना गणेश मंदिर में ऐसे भी दानदाता हैं, जो करोड़ों की रकम से मंदिर में अलग-अलग प्रकल्प विकसित कर चुके हैं.

प्रबंध समिति के प्रमुख कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया "जो दान राशि जमा होती है. उसका बाकायदा ऑडिट किया जाता है. जो इंदौर जिला प्रशासन और मंदिर ट्रस्ट के अधीन होता है. मंदिर प्रशासन और पुजारी के मताबिक इंदौर में धन राशि से संबंधित कभी कोई शिकायत नहीं आई, क्योंकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है. वही धनराशि की गणना कलेक्टर के निर्देश पर अलग-अलग विभागों के जिम्मेदार अधिकारी और मंदिर प्रशासन से जुड़े लोग करते हैं. जिसमें पुजारियों की भूमिका या भागीदारी नहीं रहती है. इसके अलावा लगभग 80 कैमरों के माध्यम से पूरे परिसर की निगरानी की जाती है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुनिश्चित रहती है.

गुप्त दान से लेकर हीरा-सोना, महाकाल मंदिर में 144 करोड़ का चढ़ावा, लड्डू से आए 65 करोड़

गर्भगृह का विकास शुरू

इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के गर्भ गृह का इन दिनों चौड़ीकरण किया जा रहा है. जिससे कि भगवान के दर्शन को आसान और सुगम बनाया जा सके. पंडित उदित भट्ट ने चर्चा में बताया "मंदिर के चौड़ीकरण का काम प्रतिदिन ऋक्ळर कॉलेज के सिविल विशेषज्ञों की निगरानी में किया जा रहा है. गर्भ गृह के सामने की जमीन को भी थोड़ा नीचे किया जा रहा है, ताकि पीछे खड़े हुए भक्तों को भी दर्शन आसानी से हो जाए.

अयोध्या ग्राउंड रिपोर्ट : तपती गर्मी के बीच राम की पैड़ी में फिर लौटा 'सरयू जल', श्रद्धालुओं के चेहरे खिले, रौनक वापस

(जीएनएस)।

चिलचिलाती गर्मी और उमस के बीच अयोध्या आने वाले रामभक्तों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है. राम की पैड़ी पर पिछले कई दिनों से थमा हुआ पानी का बहाव एक बार फिर पूरी रफ्तार से बहाल कर दिया गया है. सिल्ट सफाई के कारण बंद किए गए इस जल प्रवाह के दोबारा शुरू होते ही घाटों पर आस्था की रौनक लौट आई है. अब देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में

पवित्र स्नान और दर्शन-पूजन का आनंद ले पा रहे हैं, जिससे सरयू तट पर बढ़ने वाला हादसों का जोखिम भी टल गया है.

हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल को मिले तीन पुरस्कार

(जीएनएस)।

लखनऊ। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक बुधवार को डालीबाग स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की ओर से परिसर में आयोजित की गई। इसमें पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल को हिंदी के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए तीन पुरस्कार मिले।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के पीआरओ महेश गुप्ता ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय को सरकारी कामकाज में राजभाषा के अधिकतम प्रयोग के लिए द्वितीय पुरस्कार दिया गया है। पत्रिका प्रकाशन में चतुर्थ और सर्वाधिक हिंदी कार्यशाला आयोजन में प्रथम पुरस्कार भी मिला। बैठक की अध्यक्षता भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक एसएन सुशील ने की। एसएनसुशील ने गत वर्ष अक्तूबर से बीते मार्च की अवधि के लिए पुरस्कार प्रदान किए हैं। डीआरएम गौरव अग्रवाल ने शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्राप्त किए। उन्होंने बैठक में उपस्थित 74 केंद्रीय सरकारी कार्यालयों के प्रमुखों को संबोधित किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि मंडल कार्यालय में सरकारी कामकाज नियमानुसार हिंदी या द्विभाषी रूप में हो रहा है। यह स्थिति सतत निगरानी और अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रेरित करके प्राप्त की गई है। आगे बताया कि हिंदी में पांच तकनीकी संगोष्ठियां, 31 हिंदी कार्यशालाएं और एक साहित्यिक संगोष्ठी आयोजित की गई। लखनऊ मंडल कार्यालय और विशिष्ट स्टेशनों पर साहित्यकारों की जयंतियां तथा तकनीकी संगोष्ठियां नियमित रूप से होती हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

हादसों पर जिम्मेदारी तय होना आवश्यक

हादसों का मंजर व्यवस्था की लापरवाही, समय अब रस्म- अदायगी से ऊपर उठने का है। जब तक हर कोचिग सेंटर के पास फायर एनओसी, हर व्यावसायिक इमारत के पास सही नक्शा और हर अधिकारी के पास अपनी जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक ये आग के हादसे थमने वाले नहीं हैं। आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले एक शाश्वत सत्य कहा था कि बुद्धिमान शासक वही है जो आने वाले संकट को पहले से भांप ले और उसके निराकरण का उपाय करे। लेकिन आज के 'लोकतंत्र' में जब हम लखनऊ की उस तीन मंजिला इमारत को 'लाक्षागृह' बनते देखते हैं, जहां 15 मासूम चिराग एक साथ बुझ गए, तो चाणक्य की वह सीख एक तंज की तरह चुभती है। यह महज एक हादसा नहीं है, बल्कि उस प्रशासनिक शीतनिद्रा का परिणाम है जो केवल लाशों के ढेर पर ही जागती है। लखनऊ के अलीगंज में जो हुआ, वह कोई इत्तेफाक नहीं था। यह उस जर्जर और भ्रष्ट व्यवस्था का निचोड़ है, जहां सुरक्षा मानकों को फाइलों के भीतर दफन कर दिया जाता है और भ्रष्टाचार को धरातल पर फलने-पूलने का मौका दिया जाता है। सवाल यह नहीं है कि कोचिग सेंटर में आग क्यों लगी, सवाल यह है कि कोचिग सेंटर वहां क्यों चल रहा था? 2014 में जिस इमारत का नक्शा आवासीय उपयोग के लिए पास हुआ, वह कब और वैसे एक व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में तब्दील हो गई? 2016 में जब लखनऊ विकास प्राधिकरण ने उस अवैध निर्माण को ढहाने का आदेश दिया था, तो महज दो महीने बाद वह आदेश किस 'चमत्कारिक' दबाव में रद्द कर दिया गया? इन 10 वर्षों के अंतराल में 30 इंजीनियर और जोनल अधिकारी उस क्षेत्र से गुजरे, क्या किसी की नजर उस इमारत की अवैध व्यावसायिक गतिविधि पर नहीं पड़ी? आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि यह लापरवाही का नहीं, बल्कि मिलीभगत का एक सुनियोजित तंत्र है। एलडीए के सूत्रों की मानें तो शहर में 30 हजार से अधिक आवासीय भूखंडों पर व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स खड़े हैं और इनके पीछे इंजीनियरों की एक तय 'रेट लिस्ट' काम करती है। एक चार मंजिला अवैध इमारत के निर्माण पर 20 से 25 लाख रुपये की वसूली का खेल चलता है। जब व्यवस्था ही पैसों की नींव पर टिकी हो, तो सुरक्षा की उम्मीद करना ही बेमानी है। लखनऊ का यह हादसा दिल्ली के मालवीय नगर के होटल और बिहार के निजी अस्पताल की घटनाओं की कड़वी यादें ताजा कर देता है। हर बार घटना के बाद सिस्टम का वही पुराना 'सिप्टेड' ड्रामा शुरू होता है। हादसे के अगले ही दिन प्रशासन अति-सायि हो जाता है, सीलिग की कार्रवाई होती है, अधिकारियों को सस्पेंड किया जाता है और वुछ दिनों के लिए एक खौफ का माहौल बनाया जाता है। लेकिन क्या यह समाधान है? कानपुर में 30 से अधिक बड़ी कोचिग संस्थाओं को सील कर देना, प्रयागराज और वाराणसी में धड़ाधड़ कार्रवाई करना यह सब महज एक स्वांग है। अगर यही पुता हादसे से पहले दिखाई गई होती, तो उन 15 घरों के बुझ चुके चिराग आज अपनी कक्षाओं में पढ़ रहे होते। ब्रिटिश दार्शनिक एडमंड बर्व ने सही कहा था कि समय पर सावधानी बरतना बाद में पछताने से कहीं बेहतर है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां प्रशासन 'सावधानी' के बजाय 'हादसे' के बाद 'दिखावटी कार्रवाई' को अपनी जिम्मेदारी समझता है। इस पूरे प्रकरण की सबसे दर्दनाक कड़ी वह 'फायरमैन' का वायरल वीडियो है, जिसने व्यवस्था की चूलें हिला दी हैं। एक पढ़ालिखा सिपाही जब अपनी जान जोखिम में डालकर यह आरोप लगाता है कि असली दोषी बड़े अधिकारी हैं, तो सिस्टम का चेहरा और भी घिनौना हो जाता है। जब तक नीचे के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाया जाता रहेगा और मलाई खाने वाले अधिकारी सुरक्षित रहेंगे, तब तक जवाबदेही कभी तय नहीं हो पाएगी। मुख्यमंत्री ने मिशन मोड में फायर सेफ्टी ऑडिट के निर्देश दिए हैं, जो स्वागत योग्य है, लेकिन यह ऑडिट कागजों की खानापरूति बनकर न रह जाए, इसकी गारंटी कौन लेगा? क्या हर अस्पताल, नर्सिग होम और कोचिग सेंटर का वास्तविक ऑडिट होगा, या फिर वही पुरानी परंपरा चलेगी जहां एनओसी केवल टेबल के नीचे के लेन-देन से मिल जाती है? अवैध निर्माण की समस्या महानगरों में एक कैंसर की तरह पैल चुकी है। बेसमेंट में कोचिग सेंटर, परकिग की जगह पर दुकानें और संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतों का जाल यह सब बिना स्थानीय निकाय, अग्निशमन विभाग और पुलिस की मिलीभगत के संभव नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के आंकड़े बताते हैं कि सिर्प राजधानी में इस साल आग लगने की घटनाओं में 65 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

सीएम योगी ने पश्चिमी यूपी में बिछा दी ये बिसात, अब क्या करेंगे अखिलेश?

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सियासी पारा चढ़ गया है. लोकसभा चुनाव में अलीगढ़ संभाग की सभी सीटों पर मिली करारी हार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद कमान संभाल ली है. अखिलेश यादव के मजबूत होते 'ढऊअ' समीकरण को भेदने के लिए सीएम योगी ने अलीगढ़ में बड़ा चक्रव्यूह रचा है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की रणभेरी भले ही अगले साल बजनी हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने अभी से अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ा झटका लगा था, वहां अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चे की कमान संभाल ली है. लोकसभा चुनाव के दौरान अलीगढ़ संभाग की सभी महत्वपूर्ण सीटों पर मिली हार ने भाजपा आलाकमान के कान खड़े कर दिए थे. इसी मर्म को भांपते हुए सीएम योगी खुद अलीगढ़ पहुंचे और पश्चिमी यूपी में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले को मटियामेट करने के लिए बिसात बिछा दी है.

अलीगढ़ के इस दौरे को महज एक सरकारी समीक्षा बैठक के तौर पर नहीं देखा जा रहा है, बल्कि यह पश्चिमी यूपी में जाट, दलित और ओबीसी मतदाताओं को दोबारा पाले में लाने की भाजपा की एक बहुत बड़ी रणनीतिक शुरूआत है. पिछले लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी और खासकर अलीगढ़ संभाग के तहत आने वाली सीटों पर भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था. विपक्ष ने यहां ध्रुवीकरण और स्थानीय नाराजगी का ऐसा कॉम्बिनेशन तैयार किया कि भाजपा का अभेद्य किला ढह गया.

पश्चिमी यूपी में सीएम योगी का एक्शन प्लान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अलीगढ़ पहुंचकर स्पष्ट कर दिया कि इस क्षेत्र में किसी भी स्तर पर प्रशासनिक लापरवाही या राजनीतिक ढीलापन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने मंडल के अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठकें कीं ताकि जनता के बीच सरकार की छवि को सुधारा जा सके.

अखिलेश यादव के 'PDA' को ध्वस्त करने का चक्रव्यूह

2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव का 'PDA' फॉमूर्ला पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गेमचेंजर साबित हुआ था. रालोद (RLD) के एनडीए में होने के बावजूद, सपा-कांग्रेस गठबंधन ने दलितों और अति-पिछड़ों के एक बड़े हिस्से को अपने पाले में खींच लिया था. सीएम योगी अब इसी सोशल इंजीनियरिंग की काट ढूंढने निकले हैं.

योगी आदित्यनाथ की रणनीतिः सीएम योगी का पूरा ध्यान इस बात पर है कि जो दलित और ओबीसी वोट बैंक भ्रमित होकर विपक्ष की तरफ चला गया था, उसे 'राष्ट्रवाद' और 'सुरक्षा' के मुद्दे पर वापस लाया जाए. इसके लिए वे खुद कानून-व्यवस्था को और सख्त करने और पश्चिमी यूपी के किसानों की समस्याओं का ऑन-स्पॉट निपटारा करने के निर्देश दे रहे हैं.

पश्चिमी यूपी क्यों है बीजेपी के लिए नाक का सवाल?

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को यूपी की सत्ता का प्रवेश द्वार कहा जाता है. इस क्षेत्र में लगभग 110 से अधिक विधानसभा सीटें आती हैं. यदि बीजेपी को 2027 में दोबारा पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी है, तो उसे नोएडा, गाजियाबाद, अलीगढ़, मेरठ और मुरादाबाद बेल्ट में एकतरफा क्लीन स्वीप करना होगा.

सीएम योगी के अलीगढ़ दौरे से यह साफ हो गया है कि वे आगामी चुनावों में टिकट बंटवारे से लेकर स्थानीय जातिगत समीकरणों को साधने का रिमोट कंट्रोल खुद अपने हाथ में रखेंगे. उन्होंने स्थानीय नेताओं को साफ हिदायत दी है कि वे गुटबाजी छोड़कर जनता के बीच जाएं. अलीगढ़ से शुरू हुई मुख्यमंत्री की यह सक्रियता आने वाले दिनों में मुजफ्फरनगर, कैराना और मेरठ जैसे संवेदनशील जिलों में भी देखने को मिलेगी, जिससे साफ है कि पश्चिमी यूपी का आगामी चुनाव बेहद आक्रामक और दिलचस्प होने जा रहा है.

पीएम मोदी को लखनऊ के एक्टर ने नजरअंदाज किया?:अनिल रस्तोगी की सफाई- मेरी उम्र की वजह से चूक हुई

(जीएनएस)।

लखनऊ के रहने वाले 82 साल के रिटायर्ड साइंटिस्ट और सीनियर एक्टर अनिल कुमार रस्तोगी को मंगलवार को पद्मश्री पुरस्कार मिला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें सम्मानित किया।

अनिल कुमार रस्तोगी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें दावा किया गया कि पद्म पुरस्कार समारोह के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नजरअंदाज कर दिया। हालांकि, इस वीडियो को लेकर अनिल कुमार रस्तोगी ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी उम्र की वजह से यह चूक हो गई।

दरअसल, वीडियो में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनिल रस्तोगी सम्मान लेने के लिए मंच की ओर जाते दिखाई देते हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनकी ओर हाथ बढ़ाते हैं, लेकिन रस्तोगी हैंडशेक किए बिना आगे बढ़ जाते हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ यूजर्स ने इसे पीएम मोदी को इग्नोर करना बताया।

वीडियो वायरल होने के बाद अनिल रस्तोगी ने खुद सोशल मीडिया पर सफाई दी। एक पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए उन्होंने लिखा, "जो लोग मजाक बना रहे हैं, उनसे कहना चाहता हूं कि मेरी उम्र 80 साल से ज्यादा है। यह मेरी उम्र की वजह से हुई एक चूक थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है और मेरा मानना है कि देश का नेतृत्व करने के लिए वह सबसे बेहतर विकल्प हैं।"

कला और विज्ञान के क्षेत्र में अनिल रस्तोगी के योगदान के लिए उन्हें इस साल पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है।

डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी थिएटर और फिल्मों की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अभिनय किया है और वैज्ञानिक के रूप में भी काम किया है। वे सीएसआईआर के प्रतिष्ठित संस्थान सीडीआरआई, लखनऊ में बायोकेमेस्ट्री विभाग के प्रमुख (हेड) रह चुके हैं और एक वैज्ञानिक के रूप में भी लंबी सेवा दे चुके हैं।

फिल्मी करियर की बात करें तो अनिल कुमार रस्तोगी 'इश्कजादे', 'मुल्क', 'रेड' और 'थप्पड़' जैसी 75 से अधिक फिल्मों में एक्टिंग कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 14 वेब सीरीज और विभिन्न टीवी धारावाहिकों के करीब 500 एपिसोड में काम किया है। वे 99 नाटकों के लगभग एक हजार मंचन कर चुके हैं।

अनिल रस्तोगी ने वेब सीरीज 'आश्रम' में मुख्यमंत्री (सुंदर लाल) की भूमिका निभाई थी।

कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें पहले भी कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। डॉ. अनिल रस्तोगी को यश भारती-2017, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार-2023, पाटलिपुत्र लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-2024, अभ्युदय अंतरराष्ट्रीय शलाका सम्मान-2026 और कालिदास सम्मान मिल चुका है।

बचपन में बेगम साहिबा ने रखा था 'फकीरे' नाम, मां ने बेच दिया था

अनिल रस्तोगी एक इंटरव्यू में बताते हैं कि उनके परिवार में बच्चों के जीवित न रहने की मान्यता के चलते बचपन में उन्हें एक बेगम साहिबा को प्रतीकात्मक रूप से सौंप दिया गया था। उन्होंने उनका नाम 'फकीरे' रखा, जबकि उनके बड़े भाई का नाम 'गुलाम हुसैन' रखा गया।

मोहर्रम के दौरान घर में ताजिया रखा जाता था और वह ताबीज पहनकर फकीरी की रस्म निभाते हुए लोगों के घर जाते थे। बेगम साहिबा उन्हें खाने-पीने की चीजें दिया करती थीं।

अक्षय कुमार से कहा- 'मैं भी कभी जवान था' अपने मशहूर हास्य नाटक 'पंछी जा, पंछी आ' को याद करते हुए अनिल रस्तोगी कहते हैं कि यह उनके जीवन के बेहतरीन नाटकों में से एक था। इसी नाटक पर बाद में फिल्म 'गरम मसाला' बनी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में अक्षय कुमार से कहा था, "आज जो किरदार आप निभा रहे हैं, वह मैं बरसों पहले मंच पर कर चुका हूं।" जब अक्षय कुमार हैरान हुए तो उन्होंने मुस्कुराकर कहा, "मैं भी कभी जवान था।"

एक लाइन ने बदल दी फिल्मी किस्मत फिल्म 'इश्कजादे' के ऑडिशन का किस्सा सुनाते हुए रस्तोगी बताते हैं कि उन्हें एक संवाद समझ नहीं आ रहा था। उन्होंने साथी कलाकार अशोक सिन्हा से मदद मांगी, जिन्होंने उन्हें वह लाइन समझाई, जबकि वे खुद भी उसी रोल के दावेदार थे। दिलचस्प बात यह रही कि अशोक सिन्हा का चयन नहीं हुआ, लेकिन अनिल रस्तोगी को वही भूमिका मिल गई। उनका मानना है कि शायद उसी संवाद ने उनके फिल्मी करियर की दिशा बदल दी।

अनिल रस्तोगी थिएटर भी करते हैं। वे 82 साल के हैं।

पद्मश्री से ज्यादा लोगों का प्यार मिला पद्मश्री सम्मान की घोषणा को लेकर अनिल रस्तोगी कहते हैं कि सम्मान मिलने की खुशी तो थी ही, लेकिन उससे भी बड़ी खुशी इस बात की हुई कि उन्हें देशभर से लोगों का इतना स्नेह मिला। घोषणा के बाद लगातार फोन और संदेश आते रहे, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि लोग उनसे कितना प्यार करते हैं।

लखनऊ जाएं या मुंबई, बिरयानी की फरमाइश तय लखनऊ से अपने जुड़ाव पर वह कहते हैं कि जब भी मुंबई या किसी दूसरे शहर जाते हैं, दोस्त सबसे पहले लखनऊ की बिरयानी मंगवाने की फरमाइश करते हैं।

हालांकि वह खुद नॉनवेज और लहसुन नहीं खाते, लेकिन दोस्तों की यह मांग कभी खत्म नहीं होती। वह बताते हैं कि उनके परिवार का चिकनकारी से भी जुड़ाव रहा है, इसलिए उनके घर का नाम 'चिकन महल' रखा गया।

साइंस और थिएटर दोनों को साथ रखा अनिल रस्तोगी कहते हैं कि एक समय उन्हें सलाह दी गई कि साइंस और थिएटर में से किसी एक को चुन लें। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि वह विज्ञान के प्रति अपनी जिम्मेदारी कभी नहीं छोड़ेंगे। वह दिनभर अपनी वैज्ञानिक जिम्मेदारियां निभाते और बाकी लोग जब परिवार के साथ समय बिताते, तब वह थिएटर के लिए समय निकालते।.

पद्म भूषण से सम्मानित ममूटी पीएम मोदी से मिले

(जीएनएस)।

साउथ सिनेमा, खासकर मलयामल फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार्स में शुमार दिग्गज अभिनेता ममूटी को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। जिसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से खास मुलाकत की। जिसकी तस्वीरें जब सामने आईं, तो परिवार के चेहरे पर खुशी और गर्व दिखा। वहीं, नजरें घर की इकलौती बहुरानी की सादगी पर अटक गईं।

पद्म भूषण से सम्मानित होने के बाद मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जहां उनका पूरा परिवार मौजूद रहा, लेकिन नजरें घर की इकलौती बहुरानी पर टिकी रहीं। पीएम मोदी और ममूटी के बेटे, एक्टर दुलकर सलमान ने इस मुलाकत की तस्वीरें शेयर की हैं, जो अब सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींच रही है। जहां फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए ममूटी को मिले इस सम्मान की खुशी परिवार के चेहरे पर साफ झलकी।

ऐसे में इस खास मौके को और भी खास बनाने के लिए वे सेरेमनी खत्म होने के बाद पीएम मोदी से मिले। जहां घर की बहू और दुलकर की पत्नी अमल सूफिया का देसी रूप सुंदर

लगा, तो ननद और सासू मां भी अपने- अपने स्टाइल से देसी पहनावे की खूबसूरती को दर्शा गईं। हालांकि, अमल सादगी में भी हीरोइन जैसी अदाएं दिखाकर लाइमलाइट लूट ले गईं। तभी तो उनके लोगों के बीच खूब चर्चे हो रहे हैं।

74 साल के एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर ममूटी को सिनेमा जगत में उनके लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। जिसके लिए वह क्रीम कलर के बंदगला के साथ ब्लैक पैंट्स पहन फॉर्मल लुक में राष्ट्रपति भवन पहुंचे। उनके बेटे दुलकर सलमान भी ब्लैक बंदगला और ग्रे- ब्राउनिश टोन ट्राउजर में पापा के साथ ट्विनिंग कर गए। वहीं, पीएम का हमेशा की तरह सफेद कुर्ता- चूड़ीदार में देसी रूप देखने को मिला। जिसे उन्होंने ब्लैक हाफ जैकेट के साथ पेयर किया और ममूटी के परिवार से मुलाकात की।

अमल यहां बेज- न्यूड टोन का एम्बेलिश्ड सूट पहने हुए हैं, जो उन्हें बेहद सॉफ्ट और एलिगेंट लुक दे रहा है। कुर्ते पर टोन-ऑन-टॉन सेक्विन, बीड्स और थ्रेड वर्क की बारीक कढ़ाई की गई है, जो आउटफिट को रिच फिनिश देती है। वी-नेक को सुनहरे सेक्विन से हाइलाइट करके कुर्ते पर फ्लोरल बेल जैसा खूबसूरत डिजाइन बनाया।

जिसके साथ उन्होंने मैचिंग स्ट्रेट पैंट्स और ऑर्गेंजा का दुपट्टा कैरी किया। जिसे कर्व कट बॉर्डर देकर उसे सितारों से सजाया। जिसमें उनका लुक क्लासी, एलिगेंट और स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बो दिखा गया। टोन-ऑन-टोन कढ़ाई का मतलब इसके नाम से भी पता चलता है। जिस पर सेम टोन के कलर्स का यूज होता है, यानी यह ऐसी कढ़ाई की तकनीक है जिसमें कपड़े और धागे का रंग एक जैसा होता है या बहुत मिलते-जुलते शेड्स को चुना जाता है। इससे डिजाइन में रंगों का कंट्रास्ट नहीं बनता और यह सेम कलर पैलेट को ही निखारती है।

पीएम मोदी पर भी चढ़ा 'पंचायत' का खुमार, 'बिनोद' से मिलते ही पूछ लिया मजेदार सवाल! वीडियो वायरल

(जीएनएस)।

वेब सीरीज 'पंचायत' के किरदार अब सिर्फ ओटीटी दर्शकों तक सीमित नहीं रहे हैं। फुलेरा गांव की कहानी और उसके पात्रों ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसी बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया है। एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात 'पंचायत' में बिनोद का किरदार निभाने वाले अभिनेता अशोक पाठक से हुई।

खास बात यह रही कि पीएम मोदी ने उनसे मिलते ही सीरीज के चर्चित डायलॉग का जिक्र कर दिया। वीडियो सामने आते ही फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया और लोग एक बार फिर बिनोद के किरदार को याद करने लगे। सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की खूब चर्चा हो रही है।

हाल ही में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात अभिनेता अशोक पाठक और 'पंचायत' में बनराकस का किरदार निभाने वाले भूषण शर्मा से हुई। हाथ मिलाने के दौरान पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए भूषण शर्मा से पूछा, "बिनोद सुनता है कि नहीं सुनता है?" उनकी यह बात सुनते ही वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े। कुछ ही देर में इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया।

इस मुलाकात का वीडियो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा किया। वीडियो सामने आने के बाद फैंस लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे साल का सबसे दिलचस्प कोलैब बताया। किसी ने लिखा कि बिनोद फिर से छा गया, तो किसी ने इसे थिएटर कलाकारों की बड़ी उपलब्धि बताया। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि "देख रहा है बिनोद, प्रधानमंत्री जी हमसे कैसे मिल रहे हैं।"

वीडियो के कमेंट सेक्शन में 'पंचायत' से जुड़े कई लोकप्रिय किरदारों का जिक्र देखने को मिला। कुछ लोगों ने फुलेरा गांव की कहानी को याद किया तो कुछ ने सचिव जी और प्रधान जी वाले संदर्भों के साथ मजेदार टिप्पणियां कीं। कई दर्शकों ने लिखा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि देश के प्रधानमंत्री भी सीरीज के इतने लोकप्रिय डायलॉग से परिचित होंगे।

पीएम मोदी से मिले ईरान सुरक्षा परिषद के उपसचिव डॉ. गदीर निजामीपुर

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. गदीर निजामीपुर ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह ब्रिक्स सदस्य देशों की की सिक्योरिटी एजेंसियों के प्रमुखों और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर्स की बैठक के बाद पीएम मोदी से मिले।

इससे पहले, ब्रिक्स देशों की सुरक्षा एजेंसियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक में गदीर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि के लगाए आरोपों को सख्ती से खारिज किया। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ मुहिम में उन्होंने अमेरिका और इजरायल का पूरा साथ दिया।

निजामीपुर ने कहा, 'क्षेत्र में हालिया संघर्ष और उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों के लिए अमेरिका और जायोनिस्ट शासन जिम्मेदार है।उन्होंने आरोप लगाया कि होर्मुज

स्ट्रेट में संकट और हमलों की शुरूआत उन्होंने ही की थी। उन्होंने यह भी दावा किया, इन हमलों का एक हिस्सा यूएई की भूमि पर स्थित ठिकानों से संचालित किया गया, और यूएई ने इन कार्रवाइयों में भाग लेते हुए ईरान के नागरिक ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों पर हमलों के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने दिया।'

हम उम्मीद करते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात प्रचार और दुस्साहस की बजाय अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का सम्मान करेगा और शांति, स्थिरता तथा क्षेत्रीय सहयोग का मार्ग चुनेगा।

मिनाब के छात्रों की पोस्टर लहराया

निजामीपुर ने बैठक में एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया, जिसमें मिनाब के उन छात्रों को दशार्या गया था जिनकी मौत हालिया हमलों में हुई बताई गई। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर उन बच्चों का प्रतीक है जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए गए हमले के पहले दिन मारे गए थे। ष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) बैठक चल रही है। दो दिन की इस बैठक की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कर रहे हैं। इस बैठक में समूह के 11 सदस्य देशों के सुरक्षा प्रमुख भागीदारी कर रहे हैं। इन देशों में भारत, ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। इसका मुख्य विषय 'दुनिया के सामने मौजूद गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां' है।

कौन हैं कृष्णावतारम की 'सत्यभामा'? गुजरात की पूर्व सीएम आनंदीबेन से रखती हैं खास कनेक्शन

(जीएनएस)।

मशहूर निर्देशक हार्दिक गज्जर की फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट-1 द हार्ट' की वजह से एक खूबसूरत चेहरा घर-घर लोकप्रिय हुआ है और वो फेस है फिल्म में भगवान कृष्ण की पटरानी सत्यभामा का रोल निभाने वाली संस्कृति जायना का, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से साबित कर दिया कि वो इस फील्ड में भले ही नई हों लेकिन उनका सफर काफी लंबा होने वाला है।

लोग उनकी अदायगी और सुंदरता की तारीफ करते थक नहीं रहे हैं, आप में से बहुत कम जानते होंगे कि संस्कृति जायना एक फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं बल्कि एक सियासी खानदान से ताल्लुक रखती हैं। उनकी दादी का नाम आनंदीबेन पटेल है, जो कि मौजूदा दौर में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

उनकी मां का नाम अनार पटेल है, जो कि एक जानी-मानी सोशल एंटरप्रेन्योर हैं और पिता जयेश पटेल एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। गुजरात

के संभ्रांत परिवार से आने वाली संस्कृति जायना की शुरू से ही रूचि बिजनेस और फैशन इंडस्ट्री से रही है।

उन्होंने मात्र 16 साल की उम्र में एक फैशन उद्यमी के रूप में अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया था। लंदन से पढ़ाई करने वाली संस्कृति ने फिल्म मेकिंग का कोर्स किया है और एक धार्मिक फिल्म से रूपहले पर्दे पर डेब्यू किया है।

ऐतिहासिक किरदार काफी लुभाते हैं मुझे

जिसके बारे में बात करते हुए उन्होंने एक इवेंट में कहा था कि ' उन्हें ऐतिहासिक किरदार काफी लुभाते हैं और उनकी भगवान श्रीकृष्ण में गहरी आस्था है इसलिए उन्होंने एक धार्मिक फिल्म के जरिए अपना फिल्मी सफर शुरू करने का फैसला किया।'

दादी आनंदीबेन पटेल ने की पोती की तारीफ

संस्कृति को अपनी दादी आनंदीबेन पटेल से जो प्रतिक्रिया मिली,वह बेहद खास थी। संस्कृति ने खुलासा किया है कि 'जब उनकी दादी ने फिल्म का क्लाइमेक्स देखा, तो वह पूरी तरह निशब्द रह गईं , उन्होंने तब मेरी ओर मुस्कुराकर देखा, तब उनकी आंखों में जो खुशी मेरे लिए थी, वही मेरा सबसे बड़ा अवॉर्ड था।'

बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन और सीक्वल को लेकर उत्सुकता

निर्देशक हार्दिक गज्जर के विजन और संस्कृति जायना के शानदार अभिनय से सजी इस पौराणिक फिल्म 'कृष्णावतारम' ने न केवल कलात्मक रूप से बल्कि व्यावसायिक तौर पर भी झंडे गाड़े हैं। इस भक्तिमय फिल्म ने हाल ही में वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर शानदार 55 करोड़ रुपये से अधिक की कुल कमाई का आंकड़ा पार किया है, पहली फिल्म की इस बंपर सफलता के बाद दर्शकों और फिल्म समीक्षकों के बीच इसके अगले भाग को लेकर बेहद उत्सुकता का माहौल बना हुआ है।

'कृष्णावतारम पार्ट-2' जल्द

इस विषय पर बात करते हुए संस्कृति ने पुष्टि की है कि 'फिल्म का दूसरा भाग यानी 'कृष्णावतारम पार्ट-2' साल 2027 में बड़े पैमाने पर रिलीज होने के लिए तैयार है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इस सीक्वल में दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा।'

लखनऊ अग्निकांडः कैसे अखाड़ा बन गया फायर डिपार्टमेंट? पहले सीएम को चिट्ठी, अब कर्मचारी यूनियन भी मैदान में उतरा

(जीएनएस)।

लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद चार अधिकारियों को सस्पेंड किया गया था. विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने इनमें से एक अधिकारी के सस्पेंशन को गलत बताया है और हाई-लेवल तकनीकी जांच की मांग की है. समिति का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट या अंदरूनी इलेक्ट्रिकल खराबी के कारण लगी थी और अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं हैं.

लखनऊ अग्निकांड में 15 लोगों की मौत हो गई थी. इस मामले में चार अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया था. अब उत्तर प्रदेश की विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति को पत्र लिखकर ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के सस्पेंशन को गलत और एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन बताया है.

दरअसल आग लगने के बाद गौरव कुमार (बिजली विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर कलेक्शन), कमलेंद्र कुमार सिंह, ऋरड (फायर डिपार्टमेंट) इंदिरा नगर, अनिल कुमार अए (छऊअ), और प्रमोद कुमार खए (छऊअ) को सस्पेंड कर दिया गया था.

कमेटी ने अग्निकांड की हाई-लेवल, बिना किसी भेदभाव के और एक्सपर्ट टेक्निकल जांच की मांग की. कमेटी ने ये भी कहा कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए.

कमेटी ने अपने एक बयान में कहा, 'घटना के संबंध में जानकीपुरम जोन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर का सस्पेंशन गलत और जल्दबाजी में किया गया एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन है. कमेटी का मानना है कि मौजूद तथ्यों के आधार पर, इंजीनियर आग लगने के हादसे के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं है.'

संघर्ष समिति ने बताया कि उस जगह पर 2016 से एक वैलिड कमर्शियल बिजली कनेक्शन था, जिसमें 20 किलोवाट तक का मंजूर लोड बढ़ाने का अप्रूवल था.

समिति का कहना है कि वर्टिकल रीस्ट्रक्चरिंग के बाद लागू मौजूदा सिस्टम के तहत, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को आमतौर पर जुलाई में ही डिमांड से जुड़ी जानकारी मिलती है. इसलिए, लोड बढ़ाने या उससे जुड़े मामलों पर कोई भी कार्रवाई उस समय के बाद ही तय प्रोसेस के हिसाब से शुरू की जा सकती है.

कैसे लगी आग?

कमिटी का कहना है कि ऐसे में जून में हुए इस हादसे के लिए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है. शुरूआती जानकारी के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट या बिल्डिंग के अंदरूनी इलेक्ट्रिकल सिस्टम में खराबी की वजह से लगी थी. ऐसे में कमिटी ने कहा कि अंदरूनी वायरिंग, इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, फायर सेफ्टी सिस्टम और सेफ्टी स्टैंडर्ड का पालन करने की जिम्मेदारी बिल्डिंग मालिक की है. विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने अपने बयान में ये भी कहा कि इलेक्ट्रिकल सेफ्टी डायरेक्टरेट सेफ्टी क्लीयरेंस जारी करने और जरूरी इंस्पेक्शन करने के लिए जिम्मेदार है.

कमिटी ने सस्पेंशन ऑर्डर में उस आरोप को भी खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने ये जानते हुए भी कार्रवाई नहीं की कि बिजली की खपत मंजूर लोड से ज्यादा है. उन्होंने कहा कि पावर कॉर्पोरेशन के मौजूदा वर्टिकल स्ट्रक्चर के तहत, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को कस्टमर्स की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे असल लोड के बारे में रियल-टाइम अपडेट अपने आप नहीं मिलता है.

पीएम मोदी से मिले ईरान सुरक्षा परिषद के उपसचिव, इससे पहले यूएई को खरी खरी सुनाई

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी डॉ. गदीर निजामीपुर ने मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह ब्रिक्स सदस्य देशों की की सिक्योरिटी एजेंसियों के प्रमुखों और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर्स की बैठक के बाद पीएम मोदी से मिले।

इससे पहले, ब्रिक्स देशों की सुरक्षा एजेंसियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक में गदीर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि के लगाए आरोपों को सख्ती से खारिज किया। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ मुहिम में उन्होंने अमेरिका और इजरायल का पूरा साथ दिया।

निजामीपुर ने कहा, 'क्षेत्र में हालिया संघर्ष और उसके बाद पैदा हुई परिस्थितियों के लिए अमेरिका और जायोनिस्ट शासन जिम्मेदार है।उन्होंने आरोप लगाया कि होर्मुज स्ट्रेट में संकट और हमलों की शुरूआत उन्होंने ही की थी। उन्होंने यह भी दावा किया, इन हमलों का एक हिस्सा यूएई की भूमि पर स्थित ठिकानों से संचालित किया गया, और यूएई ने इन कार्रवाइयों में भाग लेते हुए ईरान के नागरिक ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों पर हमलों के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने दिया।'

हम उम्मीद करते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात प्रचार और दुस्साहस की बजाय अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का सम्मान करेगा और शांति, स्थिरता तथा क्षेत्रीय सहयोग का मार्ग चुनेगा।

निजामीपुर ने बैठक में एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया, जिसमें मिनाब के उन छात्रों को दर्शाया गया था जिनकी मौत हालिया हमलों में हुई बताई गई। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर उन बच्चों का प्रतीक है जो उनके अनुसार अमेरिका द्वारा किए गए हमले के पहले दिन मारे गए थे।

नई दिल्ली में ब्रिक्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) बैठक चल रही है। दो दिन की इस बैठक की अध्यक्षता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कर रहे हैं। इस बैठक में समूह के 11 सदस्य देशों के सुरक्षा प्रमुख भागीदारी कर रहे हैं। इन देशों में भारत, ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। इसका मुख्य विषय 'दुनिया के सामने मौजूद गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां' है।

मेयर के सामने खुले मैनहोल में गिरा कर्मचारी, मानसून की पहली बारिश में ही बीएमसी की खुली पोल

(जीएनएस)।

मुंबई में 23 जून 2026 (मंगलवार) की रात लगातार 8 घंटे हुए मानसून की भारी बारिश के बीच सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक दावों की पोल खुल गई है। मुंबई के कई इलाके मानसून की पहली बारिश में पानी में डूब गए। मेयर सायन के गांधी मार्केट में जलभराव का जायजा लेने पहुंचीं थी तभी उसके सामने एक कर्मचारी खुले मैनहोल में गिर गया। हादसे ने बीएमसी के मानसून दावों और जमीनी हकीकत के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल महापौर ऋतु तावडे अपने प्रशासनिक अमले के साथ सायन इलाके में भारी बारिश और जलजमाव की स्थिति का निरीक्षण कर रही थीं। उसी समय गांधी मार्केट के पास एक सफाई कर्मचारी सीधे खुले मैनहोल के अंदर गिर गया। मौके पर मौजूद लोगों ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला।

यह पूरी घटना मौके पर मौजूद लोगों के कैमरों में कैद हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मेयर अपने सुरक्षाकर्मियों और अधिकारियों के साथ खड़ी हैं, तभी कुछ ही दूरी पर बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहा कर्मचारी अचानक मैनहोल में गिर जाता है। गनीमत रही कि स्थानीय लोगों ने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसकी जान बचा ली।

इस हादसे ने मुंबई में मानसूनी तैयारियों और विशेष तौर पर सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। मानसून के दौरान मुंबई में हर साल इस तरह के जानलेवा हादसे देखने को मिलते हैं। बिना किसी सुरक्षा उपकरण, हार्नेस या लाइफ-जैकेट के उफनते नालों और खतरनाक मैनहोल के पास काम करना इन कर्मचारियों के लिए बेहद जोखिम भरा साबित होता है।

मुंबई के कई इलाकों में अक्सर बिना किसी चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा घेरे के मैनहोल खुले छोड़ दिए जाते हैं। गांधी मार्केट में हुए इस हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में भी गहरा गुस्सा है। लोगों का कहना है कि जब महापौर की मौजूदगी के बावजूद इतनी बड़ी लापरवाही हो सकती है, तो आम दिनों में राहगीरों और आम जनता की सुरक्षा की स्थिति की कल्पना आसानी से की जा सकती है।

लापरवाही पर भड़कीं महापौर, निलंबन की चेतावनी

अपने सामने हुए इस हादसे के बाद मेयर ऋतु तावडे बेहद नाराज हो गईं। उन्होंने मौके पर ही मौजूद बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।

लखनऊ में बड़े अग्निकांड से डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक काफी आहत, नहीं मनाएंगे अपने जन्मदिन पर उत्सव

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज में सोमवार को अग्निकांड में 15 युवाओं की मृत्यु से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बेहद आहत है। घटनास्थल पर मीडिया से बातचीत के दौरान उनके आंसू छलके थे। अब उन्होंने 25 जून को अपने जन्मदिन पर कोई भी उत्सव न मनाने का फैसला लिया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि भीषण अग्निकांड से हुई जनहानि ने मन को भीतर तक उद्वेलित और व्यथित कर दिया है। इस दुःखद घटना में अनेक मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे प्रदेश को शोक और पीड़ा से भर दिया है। उन्होंने जब कई परिवारों के घरों के चिराग बुझ गए हों, तब अपने जन्मदिन का उत्सव मनाना उचित प्रतीत नहीं होता।

इसी गहन संवेदना और शोक के भाव के साथ मैंने निर्णय लिया है कि कल 25 जून को, मैं अपना जन्मदिन नहीं मनाऊंगा। यह दिन उन दिवंगत मासूम बच्चों की पावन स्मृति तथा उनके शोकाकुल परिजनों के प्रति श्रद्धांजलि और संवेदना को समर्पित रहेगा।

प्रभु श्रीहरि से प्रार्थना है कि वे इस अत्यंत हृदयविदारक, पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना में दिवंगत सभी बच्चों को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें, शोक संतप्त परिवारों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति दें तथा घायलों को शीघ्र पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के जन्मदिन पर प्रस्तावित सुंदरकांड व भंडारा कार्यक्रम भी निरस्त कर दिया गया है।

भाजपा की लखनऊ इकाई ने भाजपा नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी से चर्चा के बाद कार्यक्रम निरस्तीकरण का फैसला लिया। यह कार्यक्रम अलीगंज अग्निकांड में मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए आयोजन स्थगित किया गया।

केतन को 400 फीट गहरी खाई में फेंका, बस एक गलती से फंस गई मंगेतर सिया-प्रेमी चेतन की गर्दन!

(जीएनएस)।

26 साल का एक करोड़पति, कुछ महीनों बाद होने वाली शाही शादी, 14 करोड़ रुपये का वेडिंग प्लान और मंगेतर के साथ एक रोमांटिक ट्रिप। लेकिन लोनावाला के लोहागढ़ किले की 400 फीट गहरी खाई में केतन अग्रवाल की लाश मिलने के बाद इस प्रेम कहानी का ऐसा अंत हुआ, जिसने पूरे महाराष्ट्र को हिला दिया।

18 जून को हुई इस मौत को पहले ट्रेकिंग हादसा माना गया, लेकिन कुछ दिनों बाद जांच ने ऐसा मोड़ लिया कि मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी सलाखों के पीछे पहुंच गए। पुलिस का दावा है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि एक ऐसी साजिश थी जिसमें प्यार, धोखा, हजारों फोन कॉल, एक रहस्यमयी हुडी और मौत की खाई की कहानी छिपी थी। हालांकि पुलिस के आरोपों की अंतिम पुष्टि अदालत में पेश होने वाले सबूतों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी, लेकिन अब तक सामने आए तथ्यों ने इस मामले को महाराष्ट्र के सबसे चर्चित मर्डर केसों में शामिल कर दिया है।

18 जून की सुबह केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ लोहागढ़ फोर्ट घूमने गया था। कुछ समय बाद सूचना मिली कि वह खाई में गिर गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, केतन फोटो लेते समय संतुलन खो बैठा और नीचे गिर गया। ट्रेकिंग स्थलों पर ऐसे हादसे पहले भी होते रहे हैं, इसलिए शुरूआती स्तर पर पुलिस ने भी इसे दुर्घटना माना। लेकिन यहीं से कहानी में पहला मोड़ आया।

परिवार ने क्यों उठाए सवाल?

केतन के परिवार ने पुलिस को बताया कि वह लोहागढ़ फोर्ट से अनजान नहीं था। वह कई बार वहां जा चुका था और इलाके की भौगोलिक स्थिति समझता था। परिजनों का कहना था कि एक अनुभवी ट्रेकर का अचानक संतुलन खो देना उन्हें सामान्य नहीं लगा। इसी संदेह ने पुलिस को मामले की दोबारा जांच करने के लिए मजबूर किया।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने भी मौत को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि बेटे के व्यवहार और घटनास्थल की परिस्थितियां हादसे की कहानी से मेल नहीं खाती थीं।

जांच के दौरान पुलिस ने फोर्ट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक युवक दिखाई दिया जिसने सिर पर हुडी पहन रखी थी और कानों में हेडफोन लगाए थे। पहली नजर में यह सामान्य बात लग सकती थी, लेकिन उस दिन लोनावाला क्षेत्र में तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस था।

कई ट्रेनों के रूट बदले, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी ट्रेन अभी कानपुर से चलेगी, देखें सूची

(जीएनएस)।

कानपुर। लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म-चार पर ओएचई कार्य की वजह से ट्रेनों का आवागमन प्रभावित होगा। गुरुवार से 13 सितंबर तक झांसी से लखनऊ तक जाने वाली वीरांगना लक्ष्मीबाई एक्सप्रेस इन दिनों में केवल कानपुर तक ही आएगी और यहीं से लौट जाएगी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि यशवंतपुर से संचालित ट्रेन संख्या 22683/22684 लखनऊ न जाकर उतरेठिया तक जाएगी। ट्रेन संख्या 22683, 22 व 29 जून, जुलाई में 6, 13, 20, 27 तारीख, अगस्त में 3, 10, 17, 24, 31 तारीख व सितंबर में 7 व 12 तारीख में उतरेठिया तक ही जाएगी। जबकि, ट्रेन 22684 जून में 25 तारीख, जुलाई में 2, 9, 16, 23, 30 और अगस्त में 6, 13, 20, 27 और सितंबर महीने की 3, 10 व 12 तारीख में संचालित होगी।

ऐसे ही कानपुर सेंट्रल से संचालित

64212 ट्रेन 24 जून से 13 सितंबर तक मानक नगर तक ही संचालित होगी। इसी तरह चार ट्रेनों के टर्मिनल परिवर्तन हुए हैं। इनमें ट्रेन संख्या 64214, 64203, 22121 और 22122 शामिल हैं। 24 ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन किए गए हैं।

ग्वालियर से बरौनी तक चलने वाली ट्रेन 11123 गुरुवार से 10 जुलाई तक लखनऊ न जाकर मानक नगर, ऐशबाग से होकर मलहौर संचालित होगी और एशबाग, बादशाह नगर स्टेशन पर रुकेगी। लौटते समय भी ट्रेन का यही रूट रहेगा। लखनऊ में ओएचई कार्य शुरू होने से ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है।

शुक्लागंज में देर तक बंद रही सरैया क्रासिंग, लगा जाम, रेंगकर निकला यातायात

सरैया रेलवे क्रासिंग से बुधवार को सुबह लगभग साढ़े 10 बजे डाउन ट्रैक से ट्रेन निकलने के दौरान देर तक क्रासिंग बंद रही। जिससे वहां जाम लग गया। क्रासिंग बंद रहने से मरहला व बैराज की ओर दोनों तरफ वाहनों की लाइनें लग गई। ट्रेन निकलने के बाद जैसे ही क्रासिंग खुली, जल्दी निकलने की आपाधापी में क्रासिंग के रास्ते पर दोनों तरफ से वाहन एक साथ वाहन चल पड़े और एक दूसरे के सामने फंसते चले गए। जिससे वहां जाम लग गया। लगभग एक घंटे बाद यातायात सुचारु हो सका। इस दौरान यातायात रेंगकर निकल सका।

मानकों के विपरीत संचालित 71 प्रतिष्ठान सील, 83 को दिया गया नोटिस

(जीएनएस)।

लखनऊ, अलीगंज में हुए दर्दनाक अग्निकांड को गंभीरता से लेते हुए एलडीए ने बुधवार को शहर भर में मानकों के विपरीत संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाया। दिन भर चली कार्यवाही के दौरान 71 प्रतिष्ठानों को सील किया गया, जबकि 83 भवन मालिकों/प्रबंधकों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है।

लखनऊ (ब्यूरो)। अलीगंज में हुए दर्दनाक अग्निकांड को गंभीरता से लेते हुए एलडीए ने बुधवार को शहर भर में मानकों के विपरीत संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाया। दिन भर चली कार्यवाही के दौरान 71 प्रतिष्ठानों को सील किया गया, जबकि 83 भवन मालिकों/प्रबंधकों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार के निर्देश पर अग्निशमन विभाग व लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम के साथ चलाये गये इस अभियान की जद में दर्जनों कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, डांस स्टूडियो, प्ले ग्रुप स्कूल, ब्लड बैंक, कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, नर्सिंग होम, होटल, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स समेत अन्य प्रतिष्ठान आए हैं। यह अभियान लगातार तीन सप्ताह तक चलाया जाएगा।

सभी सात जोन में चला अभियान

वीसी प्रथमेश कुमार ने मंगलवार देर शाम जोनल अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें उन्होंने शहर भर में अभियान चलाकर कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, नर्सिंग होम समेत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच करने के निर्देश दिये थे। इसके अनुपालन में एलडीए के प्रवर्तन विभाग ने बुधवार को सभी सात जोनों में अभियान चलाया। संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने प्रवर्तन जोन-7 में अभियान का नेतृत्व किया, जहां 14 प्रतिष्ठानों को सील किया गया, जबकि 20 के खिलाफ नोटिस जारी की गयी है।

गोमती नगर और हजरतगंज में भी एक्शन

-प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने टीम के साथ गोमती नगर के विराज खंड, विनीत खंड एवं विवेक खंड में अभियान चलाया। जिसमें एलन कोचिंग, आकाश इंस्टीट्यूट, अन एकेडमी एंड कैरियर प्वाइंट, विद्यापीठ, अग्रवाल क्लासेस, नारायण कोचिंग, आईक्यू हब समेत नौ कोचिंग सेंटरों को सील किया गया।

-प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह के नेतृत्व में टीम ने कानपुर रोड योजना व कृष्णानगर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान फिजिक्स वाला, महिन्द्रा कोचिंग, एलन, आकाश इंस्टीट्यूट, सेन्च्यूरियन समेत 16 कोचिंग सेंटरों को सील किया गया। वहीं, 16 भवन मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

-प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने टीम के साथ कृष्णानगर, विजय नगर व मानक नगर में अभियान चलाया। यहां मानकों के विपरीत बनी बिल्डिंग में संचालित ब्राइट फ्यूचर लाइब्रेरी, डिफेंस कैरियर एकेडमी व होटल गुरवीर समेत सात प्रतिष्ठानों को सील किया गया।

-प्रवर्तन जोन-4 में एसडीएम विपिन कुमार शिवहरे ने टीम के साथ कार्यवाही करते हुए छह प्रतिष्ठानों को सील किया, जबकि सात भवन मालिकों को नोटिस दिया गया।

-प्रवर्तन जोन-5 में निरीक्षण के दौरान पांच भवन सील किये गये, जबकि 21 के खिलाफ नोटिस जारी किया गया।

-प्रवर्तन जोन-6 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने टीम के साथ हजरतगंज में अभियान चलाया। यहां एलन कोचिंग, आकाश इंस्टीट्यूट, मोशन एवं ग्रैविटी समेत 14 प्रतिष्ठान सील किये गये, जबकि 20 भवन मालिकों को नोटिस दिया गया।

अग्निसुरक्षा मानकों का उल्लंघन

चेकिंग टीम की ओर से जिन कोचिंग प्रतिष्ठानों को सील किया गया है, उनमें ज्यादातर में अग्निसुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई है। इसके साथ ही कई में एंट्री और एग्जिट का इश्यू भी सामने आया है। इसके साथ ही एकल आवासीय नक्शे से जुड़े बिंदु को लेकर भी पड़ताल की गई है, जिसमें कई प्रतिष्ठानों में खामी मिली है। कुछ भवन ऐसे भी सामने आए हैं, जिनका प्रॉपर नक्शा पास नहीं है या नक्शे के विपरीत निर्माण हुआ है। बेसमेंट में संचालिक कोचिंग व अन्य कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों को भी सील किया गया है।

बच्चों को बाहर किया गया

सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिलने पर टीम की ओर से सुरक्षा की दृष्टि से बच्चों को बाहर भेजा गया। चेकिंग अभियान से बच्चे भी सकते में नजर आए। वहीं दूसरी तरफ, चेकिंग अभियान की भनक लगते ही कई कोचिंग संचालक अपनी कोचिंग में ताला डालकर निकल गए। कई कोचिंग में बच्चों के पैरेंट्स भी पहुंचे। उन्हें भी टीम ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया।

7 को जमींदोज होगा अवैध काम्प्लेक्स

अलीगंज के अवैध काम्प्लेक्स में सोमवार को आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। उस अवैध काम्प्लेक्स को एलडीए ने जमींदोज करने की तैयारी शुरू कर दी है। एलडीए की पांच सदस्यीय समिति बुधवार सुबह जांच करने मौके पर पहुंची। वहीं, अग्निकांड से जुड़ी फोटो समेत एक और नोटिस अवैध काम्प्लेक्स में चस्पा की गई है। सात जुलाई को इस भवन पर बुलडोजर चलाया जाएगा। वहीं, अलीगंज के सेक्टर डी में वीरेंद्र प्रसाद शुक्ल और सुरेंद्र प्रसाद शुक्ल की एक और संपत्ति का पता चला है। इस आवासीय भवन के बेसमेंट से लेकर तीन मंजिल तक व्यापसायिक गतिविधियां चल रही हैं, जहां छह माह पहले आग लगी थी। एलडीए की जांच समिति इसके भी दस्तावेज खंगाल रही है।

टीम ने देखे सुरक्षा मानकों के उपाय

अलीगंज अग्निकांड का काम्प्लेक्स व्यस्त इलाके में है। इसके आसपास घरों के अलावा बड़े-बड़े व्यावसायिक निर्माण आवासीय भूखंडों पर किए गए हैं। ध्वस्तीकरण के समय कोई अप्रिय घटना न हो, इसलिए एलडीए की टीम ने बुधवार को निरीक्षण किया। मुख्य अभियंता ने ध्वस्तीकरण की दिशा तय की। विद्युत व यांत्रिक से जुड़े अधिशासी अभियंता ने बिजली आपूर्ति को रोकने सहित कई बिन्दुओं की जांच की।

सवालों पर पर छूट गए पसीने

एलडीए की आंतरिक टीम घटनास्थल की जांच के बाद शासन से गठित एसआइटी के सामने पेश हुई। एसआइटी ने पूछा कि वर्ष 2016 में ध्वस्तीकरण का नोटिस देने के बाद उसे निरस्त क्यों किया गया। टीम ने जवाब दिया कि जिस समय ध्वस्तीकरण का आदेश हुआ था तब व्यावसायिक उपयोग का खाका तैयार नहीं हुआ था। इसे देखते हुए विहित प्राधिकारी ने शपथ पत्र लेकर आदेश वापस ले लिया था। फिर पूछा गया कि बेसमेंट के साथ दो मंजिल निर्माण का आवासीय मानचित्र स्वीकृत कराने पर भी दो अतिरिक्त निर्माण कैसे हुआ। इस सवाल पर टीम का पसीना छूट गया। टीम ने बताया कि उस समय अधिशासी अभियंता के पास ही जोनल अधिकारी का भी दायित्व होता था। पांच इंजीनियरों की जिम्मेदारी तय करते हुए सहायक और अवर अभियंताओं के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की संस्तुति की गई है।

सेक्टर डी के दूसरे भवन की भी होगी जांच

वीरेंद्र प्रसाद शुक्ल और सुरेंद्र प्रसाद शुक्ल का अलीगंज के सेक्टर डी में ही एल 3/79 सेक्टर डी के पते पर एक और अवैध व्यावसायिक काम्प्लेक्स बन गया। छह माह पहले काम्प्लेक्स में आग लगी थी। अभी इसके बेसमेंट में ब्यूटी पार्लर चल रहा है। जनरेटर सड़क पर रखा है। एलडीए इसका रिकार्ड खंगाल रहा है। शुक्रवार तक एलडीए यहां नोटिस चस्पा करेगा।

यूपी के कई शहरों में चला अभियान

कानपुर देहात में 27 कोचिंग के भवन सील किए गए हैं। कानपुर में सीएमओ ने लगभग 400 अस्पतालों को नोटिस देकर बेसमेंट में पार्किंग, स्टोर या शौचालय छोड़करक दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। महोबा में नौ कोचिंग व लाइब्रेरी सील की गईं व आठ को नोटिस दी गई है। पंजीकरण नहीं कराने वाले 200 कोचिंग संस्थानों को भी नोटिस देते हुए किसी अन्य गतिविधि का संचालन नहीं करने व अग्निशमन के मानक पूरे करने को कहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने पंजीकृत 22 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी कर मान जारी की जा रही है। वृंदावन में अवैध रूप से चल रहे 12 होटल और गेस्ट हाउस सील किए। वाराणसी में 30 कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी सील किए गए हैं। कई संस्थान बिना मानचित्र स्वीकृति, आवश्यक अनुमति और निर्धारित भवन मानकों का पालन किए बिना संचालित हो रहे थे। बागपत में 20 कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी पर सील की गईं। मुरादाबाद में अल्फा हास्पिटल, क्योर हास्पिटल, दीपा हास्पिटल भी सील किए गए हैं।